म्हाने जिण दिन संत मिल जाय वो दिन लेखा में

म्हाने जिण दिन संत मिल जाय,
वो दिन लेखा में,
लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

हरि माहे संत संता रे माहे हरि है,
हरि संत अंतर नाहीं वो दिन लेखा में,
लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

संता रे चरण कमल रज वंदन,
लेवा मैं शीश चढ़ाय वो दिन लेखा में,
लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

जल माहे कुंभ कुंभ माहे जल है,
जल माहे तरंग समाय वो दिन लेखा में,
लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

कहे रविदास संतों री ऐसी महिमा,
कोटि करम कट जाय वो दिन लेखा में,
लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

म्हाने जिण दिन संत मिल जाय,
वो दिन लेखा में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लेखा में भाया गिनती में,
म्हाने जिण दिन संत मिल जाये,
वो दिन लेखा में।bd।

स्वर – संत श्री अमृतराम जी महाराज।
Upload by – keshav

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com